दूल्हा बण्या रे निर्वाण सिंगाजी बाबा भजन लिरिक्स

दूल्हा बण्या रे निर्वाण,
सिंगाजी बाबा,
दुल्लव बणिया रे निर्वाण,
निर्गुण के घर भही रे सगाई,
ब्याही सतवंती नार,
सिंगाजी बाबा,
दुल्लव बणिया रे निर्वाण।bd।

चार खम्ब को मण्डप बणायो,
उपर बांधी बंधन वार,
सिंगाजी बाबा,
दुल्लव बणिया रे निर्वाण।bd।

मौर बँधायो थारी बाई ने बँधायो,
मोतीला झलके द्वार,
सिंगाजी बाबा,
दुल्लव बणिया रे निर्वाण।bd।

चौरी में बैठे चौरासी छुड़ाई,
दायजो बैकुंठ माह,
सिंगाजी बाबा,
दुल्लव बणिया रे निर्वाण।bd।

कहें जण दल्लू सुणो भाई साधो,
संतो ने गायो मंगलाचार,
सिंगाजी बाबा,
दुल्लव बणिया रे निर्वाण।bd।

दूल्हा बण्या रे निर्वाण,
सिंगाजी बाबा,
दुल्लव बणिया रे निर्वाण,
निर्गुण के घर भही रे सगाई,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

ब्याही सतवंती नार,
सिंगाजी बाबा,
दुल्लव बणिया रे निर्वाण।bd।

प्रेषक – घनश्याम बागवान सिद्दीकगंज।
7879338198

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com